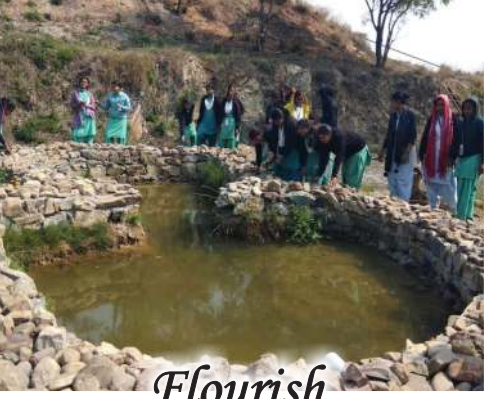

Flourish

Hope

Rise

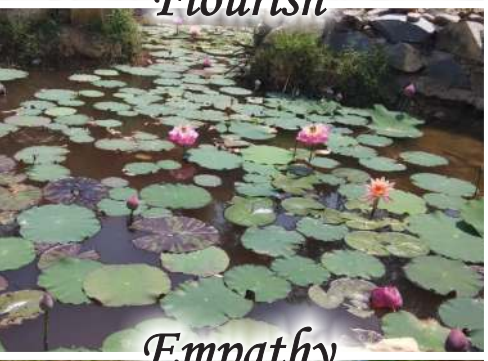

Empathy

"We are the Change we seek"

Create

Celebrate

जनजाति महिला विकास संस्थान

वार्षिक गतिविधि प्रतिवेदन

(समेकित)

ANNUAL ACTIVITY REPORT

(Consolidated)

(2023 - 2024)

Win

बड़ी कहानी ''छोटी'' की

कहानी आज के सत्तर वर्ष पहले की है।
राजस्थान के एक जनजातीय समाज से आने वाला एक अनपढ़ गरीब किसान एक दिन अपनी पाँच वर्ष की नन्ही बेटी का हाथ थाम उसे स्कूल ले गया। सबने कहा ,
"लड़कियाँ भी कहीं पढ़ती है ?"
वह बोला , "यह पढ़ेगी, मैं इसके भाई के साथ इसे भी पढ़ाऊँगा।"
पिता ने हाथ पकड़ा था, कोई रोकता भी कैसे।
स्कूल में जा कर कहा, "इसका दाखिला करवाना है, यह भी पढ़ेगी।"
शिक्षिका ने धूल धूसरित पाँव लिए खड़ी बच्ची और घुटने तक की धोती और एक मटमैले कुर्ते में खड़े अनपढ़ किसान पिता को ऊपर से नीचे तक देखा और बोली, " नाम क्या लिखूँ इसका ?"
पिता बोला, "छोटी"
शिक्षिका कलम नीचे रख कर बोली, "यह कोई नाम है? दूसरा कोई नाम बताओ ।"
अनपढ़ किसान तुरन्त ही क्या नामकरण करता, घर में सबसे छोटी थी तो छोटी ही बुलाते थे सब।
बोला,"जो बगल वाली लड़की का है, वही नाम इसका रख दो।"
सर हिलाते हुए शिक्षिका ने कहा, "फीस दे दो इसकी"
रुपए थे नहीं तो ''छोटी'' को वहीं छोड़ वापस घर गया और कंधे पर एक बोरी अनाज लाद लाया।
शिक्षिका के टेबल के पास गेहूं की बोरी पटक कर बोला, "यही है मेरे पास। हर साल जब पैदा होगी खेतों में तब दे जाऊँगा मास्टरनी जी, बस इसे भी पढ़ा दो। ससुराल जाएगी तब चिट्ठी–पत्री लिख दिया करेगी।"

छोटी को नया नाम मिल गया था –"जसकौर"

"छोटी" की यह यात्रा एक इतिहास बनी जब वे इस एक बोरी अनाज की फीस के बल पर मीना जनजातीय समाज की,
पहली दसवीं पास बालिका,
पहली **स्नातक**,
पहली **स्नातकोत्तर**,
पहली **राजकीय शिक्षिका**,
पहली **प्रधानाध्यापिका**,
पहली **परियोजना अधिकारी**
पहली **उपनिदेशक महिला शिक्षा** और
राजस्थान के जनजातीय मीना समाज से आने वाली पहली महिला **लोकसभा सांसद**
एवं इसके पश्चात भारत सरकार में **''महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री''** बनीं।

यह कहानी है "श्रीमती जसकौर मीना" की।
जनजातीय समाज से आने वाली वे **पहली महिला हैं जिन्होंने अपने समाज की बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षित करने के लिए जीवन समर्पित किया।**

"अनाज के बदले शिक्षा" का यह मूल मंत्र जो उनके पिता ने चरितार्थ कर दिखाया था वही मूलमंत्र उनके द्वारा स्थापित **जनजाति महिला विकास संस्थान** की नींव का पत्थर साबित हुआ जिसके आधार पर ग्राम मैनपुरा एवं उसके आसपास के कई गाँवो ने अनाज, रेत, पत्थर और यदि कुछ और संभव ना भी हो पाया तो अपना श्रमदान दे कर जसकौर जी के प्रति पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए सम्मिलित सहयोग से संस्थान के अन्तर्गत वर्ष 1995 में **"ग्रामीण महिला विद्यापीठ"** की स्थापना की।
आस–पास का हर किसान अपनी बेटी का हाथ थाम उसे ज्ञानार्थ प्रवेश दिलाने यहीं लाता है ताकि वह भी **"छोटी से जसकौर"** तक का सफर कर देश व समाज की सेवार्थ यहाँ से प्रस्थान करे।
शिक्षा का प्रकाश अन्धकार में भी मार्गदर्शित करता है, कभी क्षीण नहीं होता।
शिक्षा के द्वारा सशक्तिकरण और उन्नति की राह पर आगे बढ़ना सभी बालिकाओं का अधिकार है जिसकी प्राप्ति के लिये बालिकाओं का मार्ग प्रशस्त करना हम सभी का उत्तरदायित्व है।
यही जनजाति महिला विकास संस्थान का ध्येय है।

निदेशक की कलम से...

प्रिय अभिभावक गण, मित्रगण, शुभचिंतक बंधु एवं हमारे देश का भविष्य हमारे विद्यार्थीगण।

1995 में हमारी संस्थापिका परम् आदरणीय मां श्रीमती जसकौर मीणा जी के अथक प्रयासों से, मात्र 5 बालिकाओं के साथ मंदिर के प्रांगण में प्रारंभ हुआ हमारा ग्रामीण महिला विद्यापीठ आज अपने 27 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

सद्भावना से प्रारंभ किया गया जनकल्याण का कोई भी कार्य चाहे संसार के किसी भी कोने में किया जाए, उसकी सुगंध चारों ओर फैल ही जाती है और संसार में सद्कार्य करने वाले सेवा भावी लोग एक दूसरे से जुड़ते चले जाते हैं ताकि विश्व में मानवता की किसी ना किसी रूप में सहायता कर सकें।

इस वर्ष जब सेवा UK के 90 सदस्यों की टोली, चित्रकूट से कच्छ तक की आटोरिक्शा रन के द्वारा सेवा कार्यों के प्रति जन चेतना जगाने के उद्देश्य से निकली तो उन्होंने ग्रामीण महिला विद्यापीठ को जाना। कुछ ही समय पश्चात् इंग्लैंड से उनकी तीन सदस्यीय टोली तीन दिन के लिए विद्यापीठ आई और सभी के साथ समय बिताया।

ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र से आने वाली हमारी बालिकाओं के संघर्ष समझे, उनके सपनों को जाना, दुविधाओं को पहचाना। इंग्लैंड वापस जा कर उनकी रिपोर्ट के आधार पर सेवा UK कमेटी ने पच्चीस बच्चों से प्रारंभ कर भविष्य में सौ बच्चों तक की पढ़ाई का पूरा खर्च वहन करने का प्रस्ताव पारित किया और इसके लिए जुलाई 2024 के सत्रारंभ पर ऐसी बालिकाओं का चुनाव करने की जिम्मेदारी कार्यकारिणी को दी जो आर्थिक कठिनाइयों के कारण पढ़ाई से वंचित रह जाती हैं।

हम जानते हैं कि यह एक नये युग, नई आशा और नये विश्वास का प्रारंभ है। इस नवीन ऊर्जा का संचार करने के लिए इस वर्ष हम सेवा UK का हार्दिक आभार प्रकट करते है।

5 बालिकाओं व दो शिक्षिकाओं के साथ प्रारंभ हुई यह यात्रा आज पांच संस्थाओं के साथ शिक्षा के विभिन्न सोपानों को पार करती हुई, आपके सहयोग से क्षेत्र में बालिका शिक्षा के प्रचार–प्रसार द्वारा बालिकाओं को भविष्य में श्रेष्ठतम अवसर प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है।

विगत 27 वर्षों की यात्रा अभी लक्ष्य पर पहुंच गई हो, ऐसा नहीं है। दिन प्रतिदिन हम स्वयं को परखते हैं, नित नवीन उत्साह के साथ हम आगे की यात्रा की तैयारी करते हैं। हम नए विचार, नवाचार सीखते हैं ताकि अपनी संस्था में प्रवेश लेने वाली हर बालिका को नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित कर सकें, उसे नित नवीन सिखा सकें। भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का पालन करते हुए हमारी बालिकाएं अपनी सोच को विश्वव्यापी बना सकें, उनकी वैचारिक शक्ति को धार लग सके, यही हमारा उद्देश्य है और यही संभवतः शिक्षा का मूलभूत अर्थ भी है। ज्ञान तब फलीभूत होता है जब वह ज्ञान पर्याप्त करने वाले में विश्लेषणात्मक शक्ति पैदा कर सके। सद् विचार, सद् मूल्यों पर आधारित सोच के साथ सकारात्मक विश्लेषण विश्व में आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यह शक्ति उत्पन्न करने का सबसे स्रोत स्कूल शिक्षा ही है।

हमारी बालिकाओं ने संस्था से शिक्षा ग्रहण कर विभिन्न पदों को सुशोभित किया है। अनेकानेक बार संस्था और अपने शिक्षकों को गौरवान्वित किया है। शिक्षा उन पंखों की भांति है जो उड़ान की क्षमता प्रदान करते हैं। ग्रामीण महिला विद्यापीठ का परिसर प्रत्येक बालिका के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करता है ताकि वह भविष्य में अपनी उड़ान को सुनिश्चित कर सके।

प्रकृति की गोद में बसे विद्यापीठ प्रांगण में, हर प्रकार के प्रदूषण से दूर वातावरण स्वाभाविक रूप से शिक्षा के अनुकूल है। सांस्कृतिक व रचनात्मक गतिविधियों द्वारा बालिकाएं उनके भीतर छिपे गुणों व प्रतिभाओं के प्रति जागरूक बनती हैं। कार्यों को कैसे एक दूसरे से सहयोग लेकर व देकर उत्कृष्ट ढंग से निष्पादित किया जाता है इसका अभ्यास उन्हें एक साथ, एक जैसे वातावरण में, एक जैसी दिनचर्या का निर्वहन करके प्राप्त होता है। खेलकूद, प्रातः–संध्या वंदन, एक साथ परिवार की तरह बैठकर शुद्ध सात्विक भोजन छात्रावास की विशेषताएं हैं। साहित्य चर्चाओं, संगोष्ठियों, वाद–विवाद प्रतियोगिताओं के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बालिकाओं की सतत भागीदारी रहती है।

संस्था स्थानीय ग्रामवासियों, हमारे संरक्षक गाँव मैनपुरा के समस्त ग्रामवासियों, सूरवाल थाना पुलिस एवं समस्त अभिभावक गणों का सहयोग के लिए हृदय से आभार प्रेषित करती है।

बालिकाओं की सुरक्षा हमारी सबसे अहम प्राथमिकता है। अभिभावकों से निरंतर संपर्क हम बनाए रखते हैं और साथ ही भारत का भविष्य इन बालिकाओं के शिक्षण, पोषण व संवर्धन में अभिभावकों के मार्गदर्शन एवं सहयोग की निरंतर अपेक्षा रखते हैं।

आइए साथ मिलकर नवभारत का निर्माण करें। एक ऐसा भारत जिसकी बालिका की सबसे बड़ी ताकत उसका बुद्धि बल हो, उसकी शिक्षा हो। वह मां सरस्वती, मां दुर्गा एवं मां लक्ष्मी का सम्मिलित अवतार हो। वह स्वयं में परिपूर्ण हो। वह स्वयं का सम्मान करना सीखे और हम सबका अभिमान बन सके।

आपके सहयोग व शुभकामनाओं की अपेक्षा में

रचना मीना
निदेशक,
ग्रामीण महिला विद्यापीठ मैनपुरा
सवाई माधोपुर

संस्था का नाम	**जनजाति महिला विकास संस्थान**
पता	**ग्राम – मैनपुरा, सवाई माधोपुर–322027 (राजस्थान)**
रजि. क्रमांक	**56/स.मा./1993–94**
लोगो	
ध्येय वाक्य	**''अक्रमु रुचेजनन्त सूर्यम'' (अपने सूर्य आप बन जाओ)** – शिक्षा का प्रकाश ही ग्रामीण क्षेत्र की, जनजातीय समाज से आने वाली बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है ऐसा हमारा विश्वास है। क्यों की विद्या ही वह पूँजी है जिसे बालिकाओं की उस धरोहर के रूप में दिया जा सकता है जिसे उनसे कोई ना छीन सकता है ना बाँट सकता है। **न चौरहार्यं न च राजहार्य, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।** **व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।।** यही वह प्रकाश है जो कभी क्षीण नहीं होता। **"शिक्षा का सूर्य कभी अस्त नहीं होता"**
प्रमुख उद्देश्य	ग्रामीण जनजातीय बालिकाओं के लिए शिक्षा सुलभ करवाना और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना कि कोई भी बालिका किसी आर्थिक अभाव या विपरीत परिस्थितियों के चलते अपनी स्कूल शिक्षा बीच में ना छोड़े। बालिका के शिक्षित होने से ही भविष्य में जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। "सशक्त नारी, सशक्त भारत" नारे की सफलता "शिक्षित बालिका" के मूल मंत्र में छिपी हुई है। एक शिक्षित और जागरूक बालिका ही भविष्य में सशक्त और स्वावलंबी नारी बन सकती है। जनजाति महिला विकास संस्थान की स्थापना के पीछे यही उद्देश्य निहित है और जनजाति महिला विकास संस्थान इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिये निरंतर प्रयासरत रहेगा। बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन ही जनजाति महिला विकास संस्थान का ध्येय है।
परिचय एवं पृष्ठभूमि	• **राजस्थान के सवाईमाधोपुर** जिले के छोटे से गाँव **मैनपुरा** स्थित मंदिर के प्रांगण में मात्र पाँच बच्चियों से प्रारंभ हुआ **जनजाति महिला विकास संस्थान** द्वारा स्थापित स्कूल **"ग्रामीण महिला विद्यापीठ"** स्वयं राजस्थान के ग्रामीण किसान और जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाली हमारी संस्थापिका श्रीमती जसकौर मीना द्वारा **वर्ष 1993** में स्थापित किया गया ,जो जनजातीय समाज की **पहली शिक्षित महिला** थीं। उसी शिक्षा के बल पर वे अपने समाज से सरकारी सेवा में आने वाली पहली शिक्षिका बनीं और निरंतर आगे बढ़ते हुए आगे चल कर लोकसभा सांसद बन संपूर्ण राजस्थान क्षेत्र से प्रथम महिला केंद्रीय मंत्री के पद तक पहुँची और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का कार्यभार सम्भाला।

परिचय एवं पृष्ठभूमि	• जनजातीय समाज से आने वाली बालिकाओं के जीवन में शिक्षा से सकारात्मक परिवर्तन लाने में विद्यापीठ ने जो महत्वपूर्ण भूमिका विगत 27 वर्षों से निभाई वह उन्हीं की दूरगामी सोच का परिणाम है। • इस क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा का प्रतिशत मात्र **11 प्रतिशत** था। स्थानीय समाज में बालविवाह, बालश्रम जैसी कुरीतियाँ व्याप्त थीं। • गत 27 वर्षों में संस्था से लगभग 22–25000 बालिकाएँ शिक्षा ग्रहण कर चुकी हैं, जिनमे से लगभग 80 प्रतिशत बालिकाएँ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आती थीं। • विद्यापीठ में प्रतिवर्ष अति निर्धन वर्ग की लगभग 25 से 30 बालिकाएँ निःशुल्क अध्ययन करती हैं, इस वर्ग से आने वाले आवेदनों की संख्या प्रतिवर्ष लगभग 80 से 100 तक होती है जिन्हें निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना जनजाति महिला विकास संस्थान के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। • जनजाति महिला विकास संस्थान की स्थापना के बाद से ले कर आज तक हालाँकि बालिका शिक्षा के प्रतिशत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है आज सवाईमाधोपुर क्षेत्र में 90.08% पुरुष साक्षरता एवं 67.98% महिला साक्षरता है किंतु महिला साक्षरता का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में और भी सोचनीय है। महिला साक्षरता दर पुरुष साक्षरता दर से कम होना इस बात का द्योतक है कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र में अभी सतत् एवं क्रांतिकारी प्रयास करने की आवश्यकता है। • संस्थान ने स्कूल शिक्षा तक ग्रामीण जनजातीय बालिकाओं को खींच लाने की जगह स्कूल शिक्षा को उनके दरवाजे तक पहुँचा कर उसे पिछड़े और किसान परिवारों के लिए सहज और सुलभ बनाने के प्रयास में सफलता पाई है। • अधिकाधिक निर्धन वर्ग की बालिकाओं की निःशुल्क किंतु उत्तम, संस्कार आधारित किंतु वैश्विक और सर्वांगीण विकास का मार्ग दिखाने वाली शिक्षा की व्यवस्था करना जनजाति महिला विकास संस्थान का ध्येय है और यही हमारा परिचय है।

विद्यापीठ निर्माण की नींव डालने में जन सहयोग एवं प्रारंभिक वर्ष–1995

वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट

वर्ष 2023–24

- प्रबंधन समिति का चुनाव व कार्यकारिणी सदस्य सूची में पदाधिकारियों की नवीन नियुक्ति।
- कुछ सदस्यों का पद परिवर्तन व कुछ को अतिरिक्त दायित्व दिये गए।
- सचिव के पद से श्रीमती जामवती चतुर्वेदी ने बढ़ती आयु और अस्वस्थता के कारण पदभार से मुक्त होने की इच्छा प्रकट की।
- उनके स्थान पर समन्वयन का दायित्व निभा रही श्रीमती नीलम नैथानी को सचिव नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित हुआ।
- दो राजकीय शिक्षाविद की सलाहकार समिति में नियुक्ति का प्रस्ताव।
- गत वर्ष के परीक्षा परिणामों पर समीक्षा और चर्चा।
- बालिकाओं का सर्वांगीण विकास हो, किताबी ज्ञान तक सीमित ना रह कर वे व्यावहारिक ज्ञान, रोजगारोन्मुखी ज्ञान व कार्यकुशलता भी सीख सके इस के उपायों पर निर्णय लिये गए। इस वर्ष से प्रत्येक शनिवार को एक कालांश बच्चों की समझ और आयु अनुसार विविध विषयों का होगा यह प्रस्ताव पारित किया गया। कृषि, पशुपालन, पाककला, घरेलू प्रबंधन के साथ साथ सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, छोटा–मोटा बिजली, प्लंबिंग आदि का काम भी सिखाने की व्यवस्था की गई।
- विभिन्न सरकारी कार्यों की समझ बढ़ाने के लिए सरकारी दफ्तरों एवं बैंक शाखाओं से संपर्क कर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं ताकि छात्राएँ बैंक, सेविंग स्कीम्स आदि की समझ सके और अपने घरों में विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दे सकें।
- स्वावलम्बी भारत अभियान द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें संस्था में अध्ययनरत बालिकाओं को स्वरोजगार के माध्यम से Job Seeker ना बन कर Job Provider बनने का मार्ग समझाया गया ताकि वे आगे चल कर केवल सरकारी नौकरियों पर ही निर्भर ना रहें।

विधिक जागरूकता शिविर

- जर्मनी से एक वृद्ध दंपति ने एक दलित अनाथ बालिका की पढ़ाई की फीस की जिम्मेदारी ली और संस्था ने बालिका को निःशुल्क हॉस्टल सुविधा उपलब्ध करवाई।
- उन्होंने कुछ सेकंड हैण्ड कंप्यूटर बालिकाओं की कंप्यूटर शिक्षा के लिए दान किए। विद्यापीठ में प्रति वर्ष आ कर वे बच्ची की प्रगति की रिपोर्ट लेते हैं जो एक उत्साहवर्धक शुरुआत है।
- संस्थान कंप्यूटर लैब और सभी बालिकाओं के लिए प्रारंभ से कंप्यूटर शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कारण कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय लिया गया कि अगले वर्ष से नए विषयों के रूप में–कंप्यूटर (कला एवं विज्ञान संकाय), कृषि विज्ञान, दर्शन शास्त्र, एवं गृह विज्ञान की मान्यता ली जाएगी जिसके लिये 50 कंप्यूटर की सुसज्जित लैब का होना आवश्यक है।
- अंग्रेजी विषय के अध्यापक बढ़ाए गए ताकि बालिकाएँ वैश्विक स्तर तक संवाद कर सकें और विश्व की मुख्यधारा में भी अपना स्थान बनाने की योग्यता रखें।
- योग्य कंप्यूटर शिक्षक की नियुक्ति के लिए विज्ञापन।
- विभिन्न विषयों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाना।
- इस वर्ष के 100 प्रतिशत और बेहतरीन परीक्षा परिणामों और उत्तम शिक्षा व्यवस्था का प्रचार प्रसार करने के लिए कमेटी का गठन किया जिन्होंने गाँव गाँव जा कर संपर्क अभियान चलाया जिससे अन्य वर्षों की अपेक्षा अधिक बालिकाओं ने दाखिला लिया।
- अनुपयोगी और क्षतिग्रस्त कबाड़ की बिक्री के लिए टेंडर प्रक्रिया के द्वारा बेचान किया गया।
- स्कूल बस पुरानी हो जाने से नवीन बालवाहिनी खरीदने का प्रस्ताव रखा गया चूँकि कुछ दूर के गाँव से भी बालिकाओं का एडमिशन होने से उन्हें आवागमन में समस्या का सामना करना पड रहा था।
- नवीन स्कूल वाहिनी बस खरीदने हेतु बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से लोन लेने का प्रस्ताव पारित कर लेखा शाखा को समस्त कार्य संपादित करने को निर्देशित किया।
- संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जनसहयोग बढ़ाने पर विचार किया गया। किस प्रकार जन जागरूकता बढ़ा कर हम अधिक से अधिक बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा और संसाधन मुहैया करवा सकते हैं इस पर विचार मंथन किया गया।
- विभिन्न ऑर्गेनाइजेशन जो भारत के पिछड़े क्षेत्रों में आदिवासी , पिछड़े समुदायों में, विशेषकर बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करती आई हैं उन को विगत 29 वर्षों से बिना किसी आर्थिक सहयोग के इस दिशा में सतत् कार्यरत **हमारे जनजाति महिला संस्थान** के साथ जोड़ने का प्रयास करने पर विचार किया गया।
- **संस्थान में फर्नीचर, कक्षा कक्षों, समस्त संसाधनों से युक्तसाइंस लैब, कंप्यूटर लैब, केन्द्रीकृत लाइब्रेरी, खेल मैदान, क्राफ्ट रूम स्मार्ट क्लास, ऑडिटोरियम, पृथक हॉस्टल भवन, सुविधाजनक रसोई घर, धुआँ रहित ईंधन, भोजन कक्ष का विस्तार, सुरक्षित बाउंड्री वाल, स्कूल बस एवं सर्वोच्च प्राथमिकता में नवीन टॉयलेट ब्लॉक की महती आवश्यकता है जिसे अकेले पूरा करना जनजाति महिला विकास संस्थान के लिए असंभव है। कार्यकारिणी ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए यह निर्णय लिया कि हम सहायता के लिए हर उस ऑर्गेनाइजेशन से संपर्क करेंगे जिनके उद्देश्य हमारे उद्देश्यों के समान हों एवं जिनका ध्येय शिक्षा से बालिका को सशक्त, सुदृढ़ एवं सम्माजनक उज्ज्वल भविष्य प्रदान करना हो।**
- **इसके लिए कार्यकारिणी ने FCRA के लिए आवेदन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया जिसका दायित्व जनजाति महिला विकास संस्थान के लेखाकार श्री मनोज कुमार जैन को दिया गया और संस्थान की निदेशक श्रीमती रचना मीना को ऑर्गेनाइजेशंस से संपर्क करने और संस्था का प्रतिनिधित्व करते हुए संस्थान द्वारा अब तक किए गए कार्यों का प्रचार प्रसार करते हुए उनके प्रस्तुतीकरण का दायित्व दिया गया ।**

नई स्कूल बस

वैलनेस वर्कशॉप

टीटी टेबल इंग्लैंड में कार्यरत एक भारतीय युवा द्वारा उपहार में दी गई

जर्मन दंपत्ति जो एक बालिका की शिक्षा को प्रायोजित करते हैं।

भोजन कक्ष में बाला गतिविधियाँ

चुनौतियाँ

- 28–29 वर्ष पुराने टॉयलेट जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं और उनने जाने का रास्ता खुले से हो कर जाता है। यह क्षेत्र पहाड़ी के समीप है जिस कारण जहरीले कीट, जीव–जन्तु और साँपों का खतरा बना रहता है जो बीमारी सबसे बड़ी चुनौती है ।
- कंप्यूटर शिक्षा के इस युग में, कंप्यूटरों की कमी और खरीदने के लिए आर्थिक कमी के चलते हम बालिकाओं को उच्च कोटि की IT शिक्षा देने में पिछड़ रहे हैं। जो बालिकाएँ हमारे संस्थान के कारण अपनी शिक्षा पूर्ण कर पा रही हैं और जिनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है, ऐसी जनजातीय समाज से आने वाली बालिकाओं की एक बड़ी संख्या है अतः उनकी सहायता के लिए हरसंभव प्रयास अनिवार्य है और वही हम करने का प्रयास कर रहे हैं।
- किसान और अशिक्षित परिवार की पृष्ठभूमि से आने वाली बालिकाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने परिवार को शिक्षा का महत्व समझाना है। इसके लिए उन्हें दोहरा बोझ उठाना पड़ता है।
- जनजाति महिला विकास संस्थान के स्वरूप का, उपलब्धियों का और दायित्वों का विस्तार हुआ है किंतु संसाधन कम पड रहे हैं।

शौचालयों की दीवारों की वर्तमान स्थिति

समाधान - आशा की किरण

सेवायूके प्रतिनिधियों का 2024 में दौरा

- दिसम्बर 2023 में **sewauk** नामक ऑर्गेनाइजेशन जो भारत में शिक्षा एवम् स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करती आई है,उसके सदस्य चित्रकूट में एक हॉस्पिटल के निर्माण के लिए फंड एकत्र करने के लिए जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आटोरिक्शा रन नामक कैंपेन के तहत चित्रकूट से कच्छ की यात्रा पर निकले और बीच में सवाईमाधोपुर विश्राम के लिये रुकने पर उन्हें **जनजाति महिला विकास संस्थान के बालिका शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी संस्थान की निदेशक श्रीमती रचना मीना ने sewauk के सेक्रेटरी श्री भरत वडुकुल जी से भेंट करके दी।**

- उन्होंने अपनी तीन सदस्यीय टीम को जनवरी 2024 में मैनपुरा स्थित विद्यापीठ की कार्य विधि एवं वास्तविक स्थिति देखने एवं रिपोर्ट लेने के लिए भेजा जिनमें श्रीमती दीना भूड़िया, श्रीमती दीप्ती मधापारिया इंग्लैंड से एवं श्रीमती स्वाथि राम सेवा भारत से आई।
- इंग्लैंड लौटने पर रिपोर्ट से पूर्ण संतुष्ट हो sewauk ट्रस्टीज की टीम ने जनजाति महिला विकास संस्थान के कार्यों और जनजातीय ग्रामीण बालिकाओं की शिक्षा के क्षेत्र में 29 वर्ष से कार्यरत इस संस्थान के उद्देश्यों में पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए पहले चरण में 25 बालिकाओं एवं भविष्य में 100 बालिकाओं की शिक्षा के खर्च की जिम्मेदारी के निर्वहन का दायित्व स्वयं पर लेने का प्रस्ताव रखा।
- इस वर्ष इसी परोपकार की भावना के चलते विभिन्न गाँवों एवं ढाणियों, जनजातीय एवं घुमंतू समाजों, दलित, पिछड़े एवम् आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर वर्ग के घरों में संस्थान के एडमिशन कमेटी के सदस्यों ने जा कर बालिकाओं को निःशुल्क स्कूल भेजने के लिए माता पिता को प्रोत्साहित किया।
- प्राप्त लगभग सौ आवेदनों में से 30 बालिकाओं की शिक्षा इस वर्ष जुलाई से प्रारंभ हो चुकी है।
- संस्थान ने FCRA के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली हैं।
- संस्थान ने FCRA के लिए आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। हमे पूर्ण विश्वास है कि ग्रामीण एवं पिछड़े वर्ग की बालिकाओं की शिक्षा संपूर्ण विश्व व प्रत्येक समाज के सहयोग से ही संभव हो सकती है। हमारा उद्देश्य अधिकाधिक बालिकाओं को उच्च स्तरीय शिक्षा सुलभ करवाना है जो हर बालिका का अधिकार है।
- संस्थान सदैव अपनी स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित है और वचन बद्ध है। कार्यकारिणी का प्रत्येक सदस्य अपने ध्येय वाक्य –

"अक्रमु रुचेजनन्त सूर्यम"

- का अनुकरण करते हुए उत्साह पूर्वक, पूर्ण सकारात्मकता के साथ कार्यरत है, इसी विश्वास के साथ की "शिक्षित बालिका" के नारे से हम "सशक्त नारी" का निर्माण कर सकते हैं, और "सशक्त नारी ही सशक्त भारत " की पहचान है।

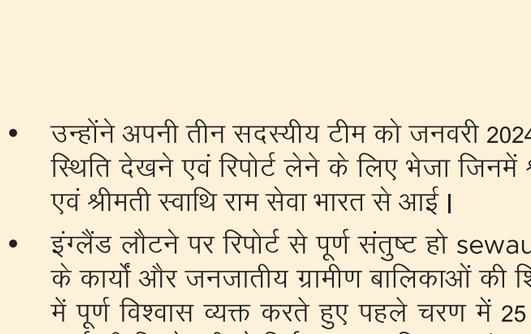

पशुपालन की जानकारी (2022–23)

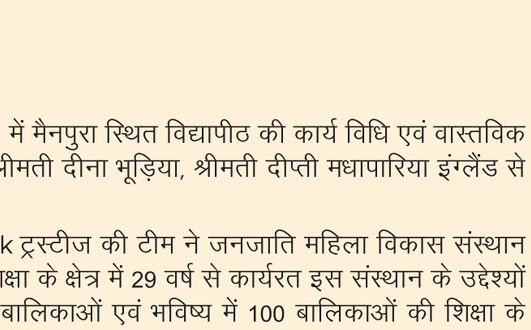

स्वावलंबी भारत अभियान के द्वारा स्थापित "रोजगार सृजन केंद्र" (2022–23)

"परिवार की दुकान" (Our Charity Shop)

योगा

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

''यह मेरा है, वह पराया है, ऐसा छोटे मन और सीमित
दृष्टिकोण वाले व्यक्ति सोचते हैं!
उच्च और उदार चरित्र वाले व्यक्तियों के लिए तो
संपूर्ण विश्व उनके कुटुंब की भाँति है।''

गतिविधियाँ

कार्यकारिणी की सूची / EXECUTIVE COMMITTEE LIST

(सहकारिता विभाग)

पं. संख्या / REG. NO.- 56/SAWAIMADHOPUR/1993-94 दिनांक / Date 13-07-2023

Sr. No.	Name	Post
1	Jaskaur Meena	Chairman/President
2	Neelam Naithani	Secretary
3	Rachna Meena	Treasurer
4	Archana Meena	Member
5	Chanda Jain	Member
6	Ishita Kumar	Member
7	Jamwati Chaturvedi	Member
8	Kailashi Bai	Member
9	Kamala Barwal	Member
10	Malti Sharma	Member
11	Meera Saini	Member
12	Mithi Devi	Member
13	Mithlesh Goyal	Member
14	Neha Jain	Member
15	Phoolwati Meena	Member
16	Pinky Meena	Member
17	Preeti Mahawar	Member
18	Rajyashree Joshi	Member
19	Rekha Mangal	Member
20	Ritasingh	Member
21	Riya Sood	Member
22	Sarswati Amma	Member
23	Sona Kanwar	Member
24	Sushila Vijay	Member
25	Sushma Sharma	Member
26	Vimlesh Jangid	Member

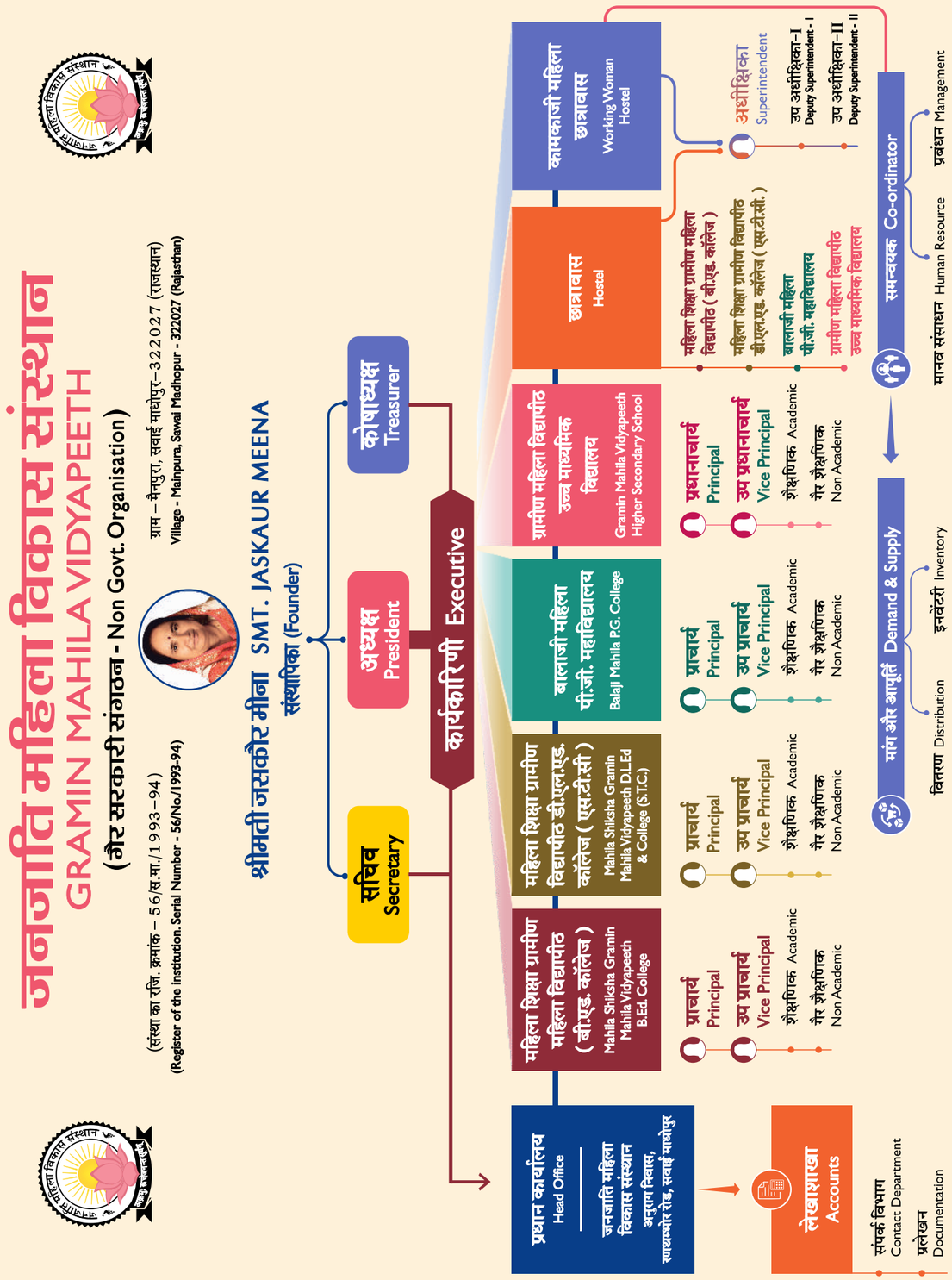

संगठनात्मक संरचना

ग्रामीण महिला विद्यापीठ

वार्षिक परिणाम रिपोर्ट

कक्षा - 10वीं (2023-2024)

क्र.सं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	प्रतिशत
1	आकांक्षा गुर्जर	श्री सम्पत गुर्जर	97.33
2	मुस्कान बैरवा	श्री दयाराम बैरवा	95.83
3	मोनिका मीना	श्री राजेश मीना	95.50

कक्षा - 12वीं विज्ञान वर्ग (2023-2024)

क्र.सं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	प्रतिशत
1	गिरिजा मीना	श्री लखन लाल मीना	93.20
2	पायल मीना	श्री मोहन लाल मीना	92.20
3	मोनिका मीना	श्री अजय कुमार मीना	91.40

कक्षा - 12वीं कला वर्ग (2023-2024)

क्र.सं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	प्रतिशत
1	कृष्णा मीना	श्री रामदयाल मीना	94.40
2	शिवानी मीना	श्री कमल किशोर मीना	88.40
3	कविता मीना	श्री इन्द्र सिंह मीना	87.40

खेलकूद, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं अन्य वार्षिक गतिविधियाँ

निबन्ध प्रतियोगिता — सत्र 2023-24

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
खुशी मीना	श्री मनराज मीना	XI	प्रभात सदन	प्रथम स्थान
निमांन्शा मीना	श्री मांगीलाल	XI	प्रकाश सदन	द्वितीय स्थान
अंकिता मीना	श्री कमलेश मीना	XI	प्रकृति सदन	तृतीय स्थान

पत्र लेखन — सत्र 2023-24

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
टीना मीना	श्री रामजी लाल मीना	IX	प्रकाश सदन	प्रथम स्थान
निशा मीना	श्री हेमराज मीना	IX	प्रकाश सदन	द्वितीय स्थान
पायल मीना	श्री धर्मराज मीना	IX	प्रभात सदन	तृतीय स्थान

कविता लेखन — सत्र 2023-24

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
कृष्णा मीना	श्री ओमप्रकाश मीना	IX	प्रकाश सदन	प्रथम स्थान
अंकिता मीना	श्री सुरज्ञान मीना	IX	प्रयास सदन	द्वितीय स्थान
सोनम मीना	श्री मोतीलाल मीना	IX	प्रकृति सदन	तृतीय स्थान

रैली व पोस्टर प्रतियोगिता
सामाजिक दायित्व

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
माही मीना	श्री उमेश मीना	IX	प्रकृति सदन	प्रथम स्थान
सदफ बानो	श्री असरार अहमद	XII		

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
रचना सैन	श्री विनोद सैन	XII	प्रयास सदन	द्वितीय स्थान
गिरिजा मीना	श्री लखनलाल मीना	XII		
हर्षिता पटोना	श्री कमलेश पटोना	XI		

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
प्रियांशु साहु	श्री सीताराम साह	XI		तृतीय स्थान

स्वच्छता अभियान

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
वासिफा बानो	श्री मोहम्मद अली	XI	प्रयास सदन	प्रथम स्थान
रामघणी मीना	श्री टीकाराम मीना	XI		
आशा मीना	श्री हेमराज मीना	XI		

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
गोलमा मीना	श्री मनराज मीना	XI	प्रभात सदन	द्वितीय स्थान
पायल मीना	श्री बुद्धिप्रकाश मीना	XI		
पूजा मीना	श्री सांवलराम मीना	XI		

स्वच्छता एवं पर्यावरण वृक्षारोपण प्रतियोगिता

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
सोनाली गौत्तम	श्री अशोक कुमार गौत्तम	XI	प्रभात सदन	प्रथम स्थान
प्रिया मीना	श्री राजेश मीना	XI	प्रकृति सदन	द्वितीय स्थान
मनिषा मीना	श्री कमलेश मीनाक	XI	प्रकाश सदन	तृतीय स्थान

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
अंजू मीना	श्री कमलेश मीना	IX	प्रकाश सदन	प्रथम स्थान
आरती मीना	श्री हरिशंकर मीना	IX	प्रकृति सदन	द्वितीय स्थान
शिवानी मीना	श्री श्यामलाल मीना	IX	प्रयास सदन	तृतीय स्थान

संगीत नृत्य प्रतियोगिता

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
रचना मीना	श्री मीठालाल मीना	X	प्रकाश सदन	प्रथम स्थान
काजल मीना	श्री आशाराम मीना	XII	प्रकृति सदन	द्वितीय स्थान
अंशु मीना	श्री रमेश चन्द मीना	VIII	प्रभात सदन	तृतीय स्थान

रंगोली प्रतियोगिता

विजेता का नाम	सदन	स्थान
राधिका सैनी, गोलमा मीना, खुशी मीना	प्रयास सदन	प्रथम स्थान
रूचि मीना, हर्षिता मीना, सुरेखा मीना	प्रभात सदन	द्वितीय स्थान
रंजना मीना, प्रिती, पायल, पूजा	प्रकाश सदन	तृतीय स्थान

मेहन्दी प्रतियोगिता

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
घड़ी बैरवा	श्री प्रभुलाल बैरवा	XI	प्रकाश सदन	प्रथम स्थान
सुनिता मीना	श्री मुकेश मीना	VIII	प्रकृति सदन	द्वितीय स्थान
आशा मीना	श्री हेमराज मीना	XI	प्रभात सदन	तृतीय स्थान

पोस्टर प्रतियोगिता

विजेता का नाम	पिता का नाम	कक्षा	सदन	स्थान
अनामिका मीना	श्री अखिलेश मीना	VIII	प्रयास सदन	प्रथम स्थान
रूचिता मीना	श्री पूरनमल मीना	VIII	प्रभात सदन	द्वितीय स्थान
अंशु मीना	श्री रमेश चन्द मीना	VIII	प्रकृति सदन	तृतीय स्थान

स्टेट खेलकूद प्रतियोगिता के लिए ग्रामीण महिला विद्यापीठ के खिलाड़ियों का चयन

सवाईमाधोपुर। 68वीं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए ग्रामीण महिला विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय मैनपुरा के खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इस पर विद्यालय प्रबंधन ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विद्यालय प्रधानाचार्य ने बताया कि 68वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 19वर्षीय जूडो प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा आशा मीना, पायल मीना, कोमल मीना, टेबल टेनिस में पायल मीना, ज्योति मीना ने श्रेष्ठ प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान पक्का किया। संस्था निदेशक रचना मीना ने छात्राओं व शारीरिक शिक्षिका सीमा सेन को राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया और शुभकामनाएं दी।

आरबीएसई 10वीं के होनहार

शिक्षा की खबर

बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ परिणाम देने वाली छात्राओं का किया सम्मान

सवाई माधोपुर। ग्रामीण महिला विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय मैनपुरा में बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य रेखा मंगल ने बताया कि 25 छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा 2024 में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। उन छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उन्होंने बताया कि कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा में आकांक्षा गुर्जर ने 97.33 प्रतिशत, मुस्कान बैरवा ने 95.83 प्रतिशत, मोनिका मीना ने 95.50 प्रतिशत, पायल मीना ने 93.50 प्रतिशत, काजल कुमारी मीना ने 92.83 प्रतिशत, रचना मीना ने 92.67 प्रतिशत, हर्षिता देवी महावर ने 91.67 प्रतिशत, पायल मीना ने 89.67 प्रतिशत, अंकिता मीना ने 88 प्रतिशत, प्रीति मीना ने 87.50 प्रतिशत, पायल मीना ने 87.17 प्रतिशत, सारिका गुर्जर ने 86.50 प्रतिशत, सुहानी गुर्जर ने 85.83 प्रतिशत, विजयलक्ष्मी मीना ने 85.50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी प्रकार 12वीं कला वर्ग में कृष्णा मीना ने 94.40 प्रतिशत, शिवानी मीना ने 88.40 प्रतिशत, कविता मीना ने 87.40 प्रतिशत, मीरा मीना ने 87 प्रतिशत, भागंती मीना ने 86.40 प्रतिशत, विज्ञान वर्ग में गिरिजा मीना ने 93.20 प्रतिशत, पायल मीना ने 92.20 प्रतिशत, मोनिका मीना ने 91.40 प्रतिशत, राधा मीना ने 89.40 प्रतिशत, आस्था मीना ने 88.20 प्रतिशत, रीना गुर्जर ने 85.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नाम रोशन किया।

इस वर्ष संस्था में बालिकाओं की कुल संख्या

संस्था का नाम	छात्राओं की संख्या / वर्ष 2023
ग्रामीण महिला विद्यापीठ	348
बालाजी महिला पी.जी. महाविद्यालय	272
महिला शिक्षा ग्रामीण विद्यापीठ बी.एड़. कॉलेज	100
महिला शिक्षा ग्रामीण विद्यापीठ डी.एल.एड़. कॉलेज	100
छात्रावास	176
कामकाजी महिला छात्रावास	5

बालाजी महिला पी. जी. महाविद्यालय

वार्षिक परिणाम रिपोर्ट

बी.ए. तृतीय वर्ष (2023-2024)

क्र.सं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	प्रतिशत
1	दिव्यांशी मीना	श्री जलेसिंह मीना	67.50
1	अल्का कुमारी मीना	श्री मनोज कुमार मीना	67.11
1	आरती मीना	श्री कजोडमल मीना	67.72

बी.एस.ए. द्वितीय वर्ष (2023-2024)

क्र.सं.	छात्रा का नाम	पिता का नाम	प्रतिशत
1	सोनिया मीना	श्री मोती लाल मीना	80.89
1	विजयश्री मीना	श्री प्रभाती लाल मीना	79.85
1	कल्पना मीना	श्री हरिकेश मीना	79.70

काली बाई भील स्कूटी योजना पुरस्कार

महिला शिक्षा ग्रामीण विद्यापीठ बी.एड़. कॉलेज

गतिविधियाँ

महिला शिक्षा ग्रामीण विद्यापीठ डी.एल.एड़. कॉलेज

गतिविधियाँ

एक किरण आशा की

दो बच्चियाँ, दोनों बहनें, दोनों विद्यापीठ की छात्राएँ।

एक आठवीं में और एक दसवीं में।

मेनपुरा से तीन गाँव छोड़ कर ही उनका गाँव है जहां से दोनों विद्यापीठ पढ़ने आती थी।

होनहार थी, शांत ,सरल, सभ्य भी थीं किंतु स्कूल आने में दोनों नियमित नहीं थी। कभी छोटी आती तो बड़ी ना आती और बड़ी आती तो छोटी छुट्टी कर जाती।

यही कारण था की रोज दिखते ही कोई ना कोई थोड़ा डाँट भी देता और सत्तर नसीहतें मिलतीं वो अलग।

सब कहते, थोड़ा पढ़ाई में ध्यान दे लो तो जीवन में कुछ बन जाओगी।

पर कोई सुधार नहीं !

बात बढ़ते एक दिन प्रधानाध्यापिका जी ने अपने कक्ष में बुलाया और कहा कि इतनी छुट्टियाँ होंगी तो परीक्षा में कैसे बैठ पाओगी ?

उस दिन छोटी आई थी बड़ी नहीं।

आँखों से आँसू बहने लगे और कहा, " दीदी हम प्राइवेट बस से आते हैं और हमारे पिताजी एक का ही किराया दे सकते हैं। तो एक दिन मैं आती हूँ और एक दिन मेरी बहन।पर दीदी हम घर पर पढ़ते हैं, आप परीक्षा में बैठने देना।"

कहानी छोटी सी है पर इसमें निहित प्रश्न बहुत बड़े हैं,पीड़ा बहुत गहरी है और उत्तरों का भार इतना अधिक है कि मानव अकेला नहीं झेल नहीं सकता, संपूर्ण मानवता को हाथ बँटाना पड़ता है।

विद्यापीठ में जब इस भार को अकेले उठा कर हम थक जाते हैं तो कोई ना कोई हाथ हमारा हाथ बँटाने आ ही जाता है और ऐसे देवदूतों को हम कोटि नमन करते हैं।

आज दोनों बहनें हर दिन स्कूल आती हैं क्योंकि उनकी 5 km से आने वाली बस का किराया 6773 km दूर से एक दीदी हर साल भेजती हैं।

"Education is not just about going to school and getting a degree.
It's about widening your knowledge and absorbing the truth about life."
- Shakuntala Devi

सद्भावना से प्रारंभ किया गया जनकल्याण का कोई भी कार्य चाहे संसार के किसी भी कोने में किया जाए, उसकी सुगंध चारों ओर फैल ही जाती है और संसार में सद्कार्य करने वाले सेवा भावी लोग एक दूसरे से जुड़ते चले जाते हैं ताकि विश्व में मानवता की किसी ना किसी रूप में सहायता कर सकें।

इस वर्ष जब sewauk के 90 सदस्यों की टोली ,चित्रकूट से कच्छ तक की आटोरिक्शा रन के द्वारा सेवा कार्यों के प्रति जन चेतना जगाने के उद्देश्य से निकली तो उन्होंने ग्रामीण महिला विद्यापीठ को जाना। कुछ ही समय पश्चात् इंग्लैंड से उनकी तीन सदस्यीय टोली तीन दिन के लिए विद्यापीठ आई और सभी के साथ समय बिताया।

ग्रामीण जनजातीय क्षेत्र से आने वाली हमारी बालिकाओं के संघर्ष समझे, उनके सपनों को जाना, दुविधाओं को पहचाना। इंग्लैंड वापस जा कर उनकी रिपोर्ट के आधार पर sewauk कमेटी ने पच्चीस बच्चों से प्रारंभ कर भविष्य में सौ बच्चों तक की पढ़ाई का पूरा खर्च वहन करने का प्रस्ताव पारित किया और इसके लिए जुलाई 2024 के सत्रारंभ पर ऐसी बालिकाओं का चुनाव करने की जिम्मेदारी कार्यकारिणी को दी जो आर्थिक कठिनाइयों के कारण पढ़ाई से वंचित रह जाती हैं।

हम जानते हैं कि यह एक नई युग, नई आशा और नई विश्वास का प्रारंभ है।

इस नवीन ऊर्जा का संचार करने के लिए हम इस वर्ष sewauk का हार्दिक आभार प्रकट करते है।

संस्थापिका की कलम से...

आदरणीय बंधु,

मनुष्य पुरातन परम्परा प्रिय है, अनुकरणशील है, किन्तु यदि वह नया पग उठाये तो अपने अन्तर से ही नया सूर्य पैदा कर सकता है, अनुगामी न बनकर अग्रणी बनने की क्षमता रखता है, वह भाव ऋग्वेद के इस श्लोक से और स्पष्ट हो जाते है।

''अनुप्रत्नाश आयवः पदं नवीयो। अक्रमुःरूचेजनन्त सूर्यम्।।''

बालिका शिक्षा के विस्तार का लक्ष्य मेरे जीवन का संकल्प है।
भारतीय संस्कृति की रक्षार्थ, अज्ञान के विरूद्ध इस संघर्ष में, ज्ञान का कवच धारण करने हेतु विद्यालय संचालन में सर्व समाज का सहयोग अपेक्षित है।

अभिनन्दन एवं धन्यवाद

संस्थापिका
जसकौर मीणा

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम।।

''विद्या से विनम्रता आती है, विनम्रता से पात्रता मिलती है,
पात्रता से धन और समृद्धि मिलती है, समृद्धि से सही आचरण मिलता है,
सही आचरण से संतोष मिलता है।"

संस्था के मुख्य दूरभाष नम्बर

- निदेशक कार्यालय – 9461462222
- **बालाजी महिला पी.जी. महाविद्यालय**
  प्राचार्य – मो. 97851 21277
  फोन – 07462-253044
- **ग्रामीण महिला विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय**
  प्राधानाचार्य – मो. 98876 41704
  फोन – 07462-253009

ऑफिस व लेखाशाखा के मुख्य दूरभाष नम्बर

- लेखाकार – मो. 9460950825
- लेखा शाखा – मो. 94609 50825
- मुख्य समन्वयक – मो. 88009 25249
- छात्रावास अधीक्षक – मो. 6376798503

ग्रामीण महिला विद्यापीठ
उच्च माध्यमिक विद्यालय

बालाजी महिला पी.जी.
महाविद्यालय (बी.ए.)

बालाजी महिला पी.जी.
महाविद्यालय (एम.ए.)

महिला शिक्षा ग्रामीण विद्यापीठ
बी.एड. कॉलेज

महिला शिक्षा ग्रामीण विद्यापीठ
डी.एल.एड. (एस.टी. सी.) कॉलेज

छात्रावास परिधान

ग्राम – मैनपुरा, सवाई माधोपुर-322027 (राजस्थान)

gmvswm@gmail.com
www.gmvswm.com
facebook.com/GMVswm
instagram.com/gmvswm